मेरा पन्ना

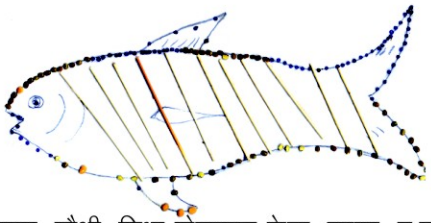

कुन्दन, चौथी, शिक्षा प्रोत्साहन केन्द्र, नरवर, म.प्र

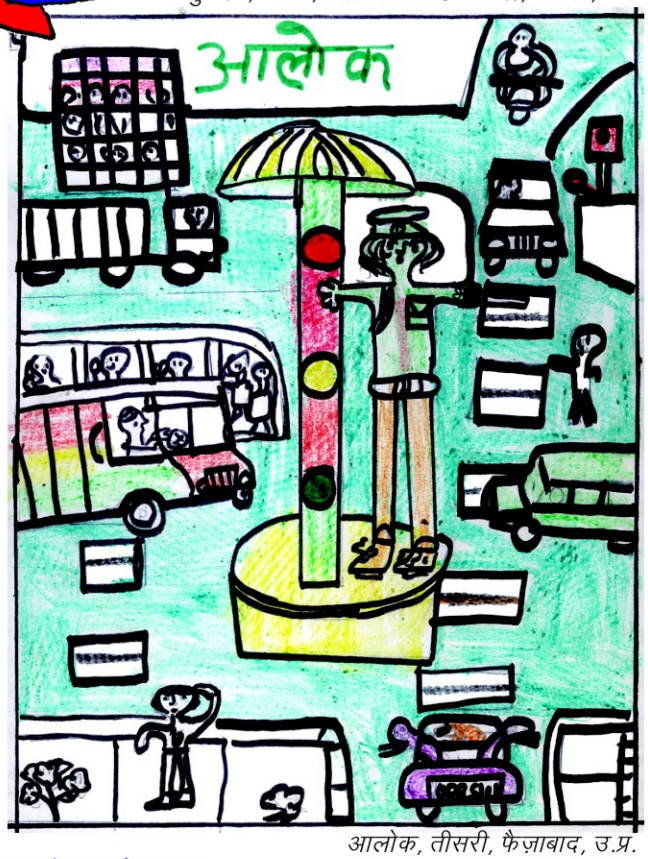

आलोक, तीसरी, फैज़ाबाद, उ.प्र.

डरपोक रौनक

मेरी क्लास में एक शरारती लड़का है। उसका नाम है रौनक। नाश्ते की छुट्टी में वह हर लड़के को मारता रहता है।

एक दिन रोहन और हम खेल की क्लास में गए। जब खेल की क्लास खतम हो गई तो हम और रोहन ने उसे खूब मारा। फिर जब नाश्ते की छुट्टी हुई तो हम और रोहन ने उसे छोड़ दिया। पर दूसरे दिन स्कूल जाने से हम लोग डर रहे थे कि रौनक हम और रोहन को मार देगा। हम और रोहन डरते-डरते स्कूल गए। पर रौनक हम और रोहन से डर गया था।

अवनीन्द्र कुमार राय, कोलकाता

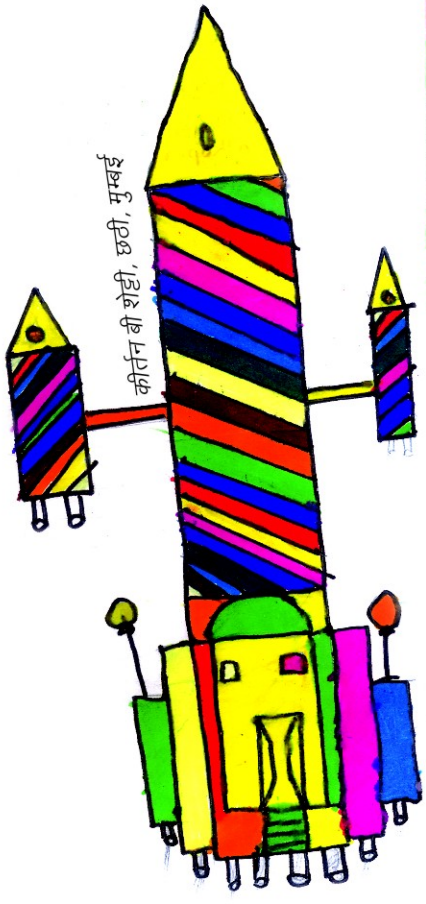

बहुत पुरानी बात हैं। एक जंगल में गुफा में दो कुत्ते रहते थे। एक का नाम था मोती और दूसरे का टॉमी। मोती तो बड़ा होशियार और निडर था, परन्तु टॉमी मूर्ख और डरपोक था। मोती अकेला ही शिकार करता था, और स्वयं को तथा टॉमी को पालता था।

एक दिन मोती सुबह से शिकार पर गया था। टॉमी गुफा में अकेला था। इसी बात का फायदा उठाकर दो भेड़िए उस गुफा में आ गए। तभी टॉमी ने देखा तो वह डरने लगा और गुफा में पीछे-पीछे खिसकते रहा। भेड़िए उसके करीब आते गए। तभी मोती आ जाता है और भेड़ियों से लड़ने लगता है। भेड़िए अपनी हार मानकर भाग गए और मोती जीत गया। पर वह बुरी तरह घायल हो गया था। टॉमी ने उसके जख्मों पर कुछ पत्ते लगा दिए। कुछ दिन बाद वह ठीक हो गया। फिर दोनों साथ शिकार पर जाते थे।

सुप्रिया

दीपांशु, पाँचवीं, भोपाल, म.प्र.

एक शेर था और एक लोमड़ी थी। उनको भोजन नहीं मिल रहा था। उन दोनों ने एक खरगोश को आते देखा तभी लोमड़ी बोली शेर साहब मरने का नाटक करो। तभी शेर नाटक करने लगा। लोमड़ी रोने का नाटक करने लगी। खरगोश से बोली शेर साहब को धकवा दो। शेर साहब मर गए। खरगोश बोला मरा हुआ शेर तो पूँछ हिलाता है। खरगोश की बात सुन शेर पूँछ हिलाने लगा तो खरगोश भाग गया।

हीरालाल, पाँचवीं, उज्जैन, म.प्र.